''रास्ता खोलो'' अभियान के तहत डाबरा कलां में 25 साल से बंद रास्ता खुला

उपखंड प्रशासन ने आसपास के काश्तकारों से संवाद कर रास्ते को खुलवाने की पहल की

दौसा/जयपुर। राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण अंचल में शुरु किया गया ''रास्ता खोलो'' अभियान दौसा जिले के ग्रामीणों के लिए वरदान साबित हुआ है। इसके तहत सालों से बंद पड़े रास्ते खुलने से आमजन की राह आसान हुई है और आपसी विवादों का समाधान होने से सौहार्द का माहौल बना है। अभियान के दौरान जिले में 125 रास्तों को अतिक्रमण मुक्त कर खुलवाने से जिलेवासियों को बड़ी राहत मिली है।

''रास्ता खोलो'' अभियान के अंतर्गत खोले गए रास्तों पर ग्रेवल रोड का निर्माण करवाया जा रहा है।

- अभियान के दौरान जिले में 125 रास्तों को अतिक्रमण मुक्त कर खुलवाने से जिलेवासियों को राहत मिली

डाबर कलां में 25 साल से बंद राह खुली :- अभियान में रामगढ़ पचवारा पंचायत समिति की निजामपुर ग्राम पंचायत में डाबरा कलां गांव में 25 साल से बंद रास्ते को अतिक्रमण से मुक्त करवाकर खुलवाया गया। सलेमपुरा-राणौली मुख्य सड़क से ग्राम पंचायत निजामपुरा के डाबर कलां गांव को जोड़ने वाला यह रास्ता 25 साल से अतिक्रमण के कारण बंद था। रास्ते की इस रुकावट की वजह से लोगों को आवाजाही में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस रास्ते को लेकर दोनों तरफ़ से काश्तकारों का विरोध था, जिससे यह रास्ता बंद पड़ा था।

प्रशासन ने दो-तीन बार पहले भी इसे खुलवाने का प्रयास किया था लेकिन कामयाबी नहीं मिली थी। उपखंड प्रशासन ने आसपास के काश्तकारों से संवाद कर इस रास्ते को खुलवाने की सकारात्मक पहल की। राजस्व टीम ने गांव वालों के सहयोग से पुलिस को साथ लेकर 26 जून को सवा किलोमीटर लंबे इस रास्ते को अतिक्रमण से मुक्त करवाया। इससे अब ग्रामीणों की आवाजाही सुगम हो सकेगी, स्कूली बच्चों के लिए आने-जाने में दिक्कत नहीं होगी और काश्तकार जरूरी साधन एवं कृषि यंत्र लाने-ले जाने का काम आसानी से कर सकेंगे। ग्रामीणों ने 25 साल से चल रही इस समस्या का हल होने पर खुशी जाहिर की और इस अभियान के माध्यम से किए जा रहे पुनीत कार्यों के लिए राज्य सरकार की सराहना की।

इस अभियान के माध्यम से अतिक्रमण की वजह से सालों से बंद रास्तों को खोलकर लोगों की राह को सुगम बनाया गया है। अभियान से पूर्व ग्रामीण क्षेत्रों में रास्तों पर अतिक्रमण के 186 प्रकरण दर्ज थे, जिनमें से 125 रास्तों को अभियान में अतिक्रमण मुक्त करवा दिया गया है। ''रास्ता खोलो'' अभियान के अंतर्गत खोले गए इन रास्तों पर ग्रेवल रोड निर्माण करवाया जा रहा है।

शेरसिंह हत्याकांड का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

राजसमंद, (निसं)। कांकरोली थाना पुलिस ने 24 जून को हुई शेरसिंह हत्या के मुख्य आरोपी रामसिंह को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने पहले ही दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। इस गिरफ्तारी के साथ ही 24 जून को हुई इस वारदात के कारणों का खुलासा हो जाएगा।

एसपी मनीष त्रिपाटी ने बताया कि एएसपी महेन्द्र पारीक व सीईओ विवेकसिंह राव के निर्देशन में सीआई कांकरोली हंसाराम के नेतृत्व में गठित टीमों के प्रयास से हत्याकाण्ड के मुख्य आरोपी रामसिंह की तलाश तेज कर दी थी। पुलिस टीम ने राजसमंद, उदयपुर और चित्तौड़गढ़ जिलों में 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की जाँच की और संदिग्धों से पूछताछ की। तकनीकी सहायता और सीसीटीवी फुटेज की मदद से पुलिस ने रामसिंह को सिरोही जिले के माउंट आबू से पकड़ा है। आबू पर्वत पुलिस थाना की सहायता से रामसिंह पिता हरिसिंह (32) निवासी गोदेला, थाना घासा जिला उदयपुर को दस्तयाब कर गिरफ्तार किया गया। आरोपी से घटना के संबंध में गहन पूछताछ जारी है। पुलिस मंगलवार को रामसिंह को न्यायालय में पेश कर रिमाण्ड मांगेगी।

- मामले में पुलिस ने पहले ही दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था
- पुलिस टीमों ने राजसमंद, उदयपुर और चित्तौड़गढ़ जिलों में 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की जाँच की और संदिग्धों से पूछताछ की

शेरसिंह की हत्या करने के आरोप में कांकरोली थाना पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया।

कांकरोली सीआई हंसाराम सीरवी ने बताया कि प्रार्थी खेमसिंह राजपूत द्वाराथाने में दी गई रिपोर्ट में बताया कि 24 जून को उसका भतीजा शेरसिंह पुत्र जोधसिंह (35) निवासी खाखरमाला, सुबह करीब दस बजे बैग में कपड़े लेकर बाडमेर के लिए निकला था। रास्ते में कांकरोली-भीलवाड़ा फोरलेन स्थित प्रतापपुरा पुलिया पर उनकी मोटरसाइकिल को कार से टक्कर मारकर गिरा दिया। इसके बाद अज्ञात ईको स्पोर्ट्स कार में सवार अज्ञात बदमाशों ने धारदार हथियार से हमला कर उनकी हत्या कर दी और नाथद्वारा होते हुए मावली-चित्तौड़गढ़ की तरफ भाग गए।

प्रार्थी ने उचित कार्रवाई की मांग की। इस पर पुलिस ने प्रकरण दर्ज करते हुए अनुसंधान प्रारंभ किया गया। घटना को गंभीरता से लेते हुए जिला पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेन्द्र पारीक के निर्देशन एवं वृताधिकारी विवेक सिंह के निकटतम पर्यवेक्षण में तथा थानाधिकारी कांकरोली हंसराम सिरवी के नेतृत्व में वारदात के खुलासे एवं अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया था।

टीम की जांच में सामने आया कि हत्याकाण्ड के मास्टर माइण्ड रामसिंह पुत्र हरिसिंह, निवासी गोदेला थाना घासा, जिला उदयपुर ने अपने दो मित्र शौकिन कुमार (32) पुत्र रामलाल भील एवं दुर्गाप्रसाद पिता राधेश्याम मेघवाल निवासी कारूण्डा थाना छोटी सादडी जिला प्रतापगढ़ के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद पुलिस ने 26 जून को मामले में शामिल दो आरोपी शौकिन कुमार (32) पुत्र रामलाल भील एवं दुर्गाप्रसाद पिता राधेश्याम मेघवाल को गिरफ्तार कर लिया जो फिलहाल पुलिस रिमाण्ड पर चल रहें है। इसी बीच रामसिंह भी पुलिस के हाथ लग गया।

महात्मा गांधी स्कूल और सरकारी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में टीचर्स की पोस्टिंग

बीकानेर, (निसं)। राज्य के 3737 महात्मा गांधी स्कूल और प्रदेश के अन्य सरकारी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों को अब रिक्त पदों से जूझना नहीं पड़ेगा। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने सोमवार को इन स्कूलों में 11576 टीचर्स की पोस्टिंग कर दी है। पिछले दिनों जिन टीचर्स ने महात्मा गांधी स्कूल में जाने की इच्छा जताई थी, उनका चयन करके अब पोस्टिंग दी गई है। इसमें सामान्य टीचर, सब्जेक्ट टीचर, लेक्चरर और प्रिंसिपल के पदों पर पोस्टिंग की गई है।

- माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने सामान्य टीचर, सब्जेक्ट टीचर, लेक्चरर और प्रिंसिपल के 11576 टीचर्स को पोस्टिंग दी

जानकारी के अनुसार 25 अगस्त 2024 को आयोजित लिखित परीक्षा के रिजल्ट के आधार पर प्रदेशभर के सरकारी स्कूलों में कार्यरत टीचर्स को अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पोस्टिंग दी गई है। अब इन टीचर्स को प्रदेशभर में कहीं भी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में ही पोस्टिंग दी जा सकती है। अलग कैडर तैयार होने से अब इन टीचर्स का हिन्दी माध्यम स्कूलों में ट्रांसफर नहीं होगा। अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में राजस्थान सिविल सेवा (अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में कार्मिकों की नियुक्ति के लिए विशेष चयन और सेवा की शर्तें) नियम 2023 के तहत ये पोस्टिंग की गई है। अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई करने के बाद सरकारी टीचर बनने वाले टीचर्स की लिखित परीक्षा ली गई थी। रिजल्ट पहले ही घोषित कर दिया गया था लेकिन पोस्टिंग अब हो रही है। चयनित टीचर्स से ऑनलाइन विकल्प भरवाया गया था, जिसके आधार पर उपलब्ध सीटों पर पोस्टिंग दी गई है। इन टीचर्स का फिलहाल एक साल के लिए चयन किया गया है। अगर एक साल में इनका रिजल्ट सही नहीं रहता है और किसी अनुचित प्रक्रिया में लिप्त पाए जाते हैं तो इन्हें अंग्रेजी माध्यम स्कूलों से वापस कार्यमुक्त कर दिया जाएगा। कार्यकाल एक-एक वर्ष के लिए ही बढ़ाया जाएगा। कार्य संतोषजनक नहीं होने पर अगले वर्ष कार्यकाल नहीं बढ़ाया जाएगा।

प्रदेशभर में ग्रेड थर्ड टीचर्स के ट्रांसफर नहीं हो रहे हैं। महात्मा गांधी स्कूलों में चयन के बाद कई टीचर्स को बिना ट्रांसफर ही गृह जिला मिल गया है। अगर बीकानेर का कोई टीचर चित्तौड़गढ़ में कार्यरत है और उसने वहां महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में चयन के लिए एग्जाम क्लियर किया है तो उसका अब पदस्थापन उसके गृह जिले में भी हो सकता है। टीचर्स से इसीलिए पोस्टिंग से पहले विकल्प भरवाए गए थे। टीचर लेवल वन और लेवल टू के टीचर्स को सबसे ज्यादा गृह जिले मिले हैं।

डोडा-पोस्त तस्करी का मुख्य सप्लायर गिरफ्तार

मध्य प्रदेश के नीमच जिले से गिरफ्तार किया

हनुमानगढ़, (निसं)। रावतसर और सदर थाना पुलिस ने एनडीपीएस मामले में सप्लायर पकड़ने में सफलता हासिल की है। सदर पुलिस ने डोडा-पोस्त तस्करी के एक बड़े मामले में मध्य प्रदेश के नीमच जिले से मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गोविंद सिंह (60) के रूप में हुई है। वह धनेरिया खुर्द गांव का रहने वाला है।

जानकारी के अनुसार यह मामला 24 जून 2025 को सामने आया था। पुलिस ने लखूवाली चौकी के पास नाकाबंदी के दौरान गणेशाराम, पंकज, मनीष बिश्नोई और संदीप को 53 किलो 376 ग्राम डोडा-पोस्त के साथ पकड़ा था। आरोपियों के पास से एक स्कॉर्पियो और स्विफ्ट डिजायर कार भी जब्त की गई थी। थानाधिकारी अजय कुमार के नेतृत्व में कॉन्स्टेबल सरजीत, महमूद अली और महेंद्र कुमार की टीम ने यह कार्रवाई की। पीलीबंगा पुलिस ने 25 जून को एक अलग मामले में भीमसेन और नरेश कुमार उर्फ पीकू को 16 किलोग्राम डोडा-पोस्त के साथ गिरफ्तार किया था।

इसके बाद जांच रावतसर थानाधिकारी रामचंद्र कसवां को सौंपी गई थी। रावतसर पुलिस की पूछताछ में पता चला कि नरेश कुमार ने यह माल रमन बिहारी नामक व्यक्ति से खरीदा था। रावतसर पुलिस ने रमन बिहारी पुत्र भवानी लाल निवासी कवरपुरा जिला कोटा को भी अब गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब अन्य संलिप्त व्यक्तियों की तलाश में जुटी है। सभी आरोपियों से पूछताछ जारी है।

ताजियों के जुलूस मार्ग को लेकर विवाद

आम मुस्लिम समाज ने जिला कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन किया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के उपनगर सांगानेर में मोहर्रम के दौरान निकाले जाने वाले ताजियों के जुलूस मार्ग को लेकर विवाद खड़ा हो गया है, आम मुस्लिम समाज ने जिला कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन कर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

जिला कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में समाज की ओर से बताया गया है कि आगामी दिनों में मोहर्रम पर्व को लेकर ताजियों का जुलूस निकाला जाता है। हर वर्ष की भांति जिस मार्ग से यह जुलूस निकाला जाता है, सीओ सदर श्याम सुंदर और सांगानेर चौकी प्रभारी द्वारा दबाव बनाकर उसे बदलने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि पूर्व में निर्धारित मार्ग पर किसी तरह की कोई आपत्ति किसी को नहीं है और वर्ष 2000 में ही मार्ग को लेकर दोनों पक्षों में परम्परागत मार्ग को लेकर लिखित समझौता भी हुआ है। उसके बावजूद सीओ सदर श्याम सिंह द्वारा जबरन विवाद की स्थिति पैदा की जा रही है।

स्थानीय लोगों ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि जबरन मार्ग को बदलने के लिए सांगानेर चौकी प्रभारी भैरू सिंह द्वारा दबाव बनाया जा रहा है। ऐसे में आम मुस्लिम समाज ने जिला कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन करते हुए जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंप परम्परागत मार्ग को यथावत रखने की मांग की गई है।

ए.ओ. ने विद्यालय में जाकर खुद को आग लगाई, गंभीर हालत में अजमेर रैफर

मकराना, (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मकराना के एओ ने सोमवार सुबह विद्यालय में जाकर खुद को आग लगा ली। एओ की गंभीर हालत देखते हुए इलाज के लिए हायर सेंटर अजमेर रैफर कर दिया। सूचना मिलने पर मकराना थाने के एएसआई अस्पताल पहुंचे और घायल का पर्चा बयान लिया।

मकराना थाना पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर घायल का पर्चा बयान लिया।

- ए.ओ. रामअवतार अपने साथ एक प्लास्टिक की बोतल में पेट्रोल लेकर गया था, विद्यालय में खुद पर पेट्रोल डाला और आग लगा ली
- विद्यालय में एओ के पद पर कार्यरत रामअवतार (58) पुत्र श्रीकिशन शर्मा मानसिक रूप से तनाव में थे

जानकारी के अनुसार राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मकराना के एओ ने विद्यालय में जाकर खुद को आग लगा ली। विद्यालय में साफ-सफाई का काम कर रही महिला ने देखा तो चिल्लाकर भागते हुए बाहर आई और आसपास के लोगों को बुलाया, जिसके बाद लोगों ने बाबू को बाइक पर पास में ही मौजूद राजकीय उपजिला स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉ. जावेद आलम ने उसे प्राथमिक उपचार देकर गंभीर हालत देखते हुए इलाज के लिए हायर सेंटर अजमेर रैफर कर दिया। सूचना मिलने पर मकराना थाने के एएसआई अयूब खां भी अस्पताल पहुंच गए और घायल का पर्चा बयान लिया।

इस दौरान बाबू के परिजन भी अस्पताल आ गए। जानकारी अनुसार विद्यालय में एओ के पद पर कार्यरत रामअवतार (58) पुत्र श्रीकिशन शर्मा मानसिक रूप से तनाव में थे। सुबह करीब 8 से 8:30 बजे विद्यालय पहुंचा। रामअवतार अपने साथ एक प्लास्टिक की बोतल में पेट्रोल लेकर गया था। विद्यालय में उन्होंने खुद पर पेट्रोल डाला और आग लगा ली। इस दौरान वहां साफ सफाई कर रही महिल कर्मी ने देखा तो चिल्लाते हुए बाहर भागी और लोगों को बताया, जिस पर लोग तुरंत विद्यालय मे दौड़कर आये और आग बुझाने का प्रयास किया।

मूलभूत समस्याओं को लेकर प्रदर्शन

झुंझुनूं, (निसं)। नगर परिषद कार्यालय पर सोमवार को डीवाईएफआई के कार्यकर्ताओं ने शहर की मूलभूत समस्याओं को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने नगर परिषद भवन में प्रवेश करने की कोशिश की, जिसे रोकने के लिए पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। इस दौरान कार्यकर्ताओं और पुलिसकर्मियों के बीच जमकर तकरार भी हुई, लेकिन बाद में समझाइश से कार्यकर्ता शांत हुए और नगर परिषद के दरवाजे के सामने ही धरने पर बैठकर नारेबाजी करने लगे।

इस प्रदर्शन को लेकर पूर्व में ही डीवाईएफआई ने घोषणा कर रखी थी। इसलिए नगर परिषद में पहले से पुलिस तैनात थी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए आए और सीधा ही कार्यालय में प्रवेश करने की कोशिश की, जिसको पुलिस ने रोका और तकरार हुई। इसके बाद धरना दिया गया और कुछ देर बाद प्रदर्शनकारियों से मिलने के लिए आयुक्त दलीप पूनियां बाहर आए और डीवाईएफआई का ज्ञापन लेते हुए समस्याओं के समाधान पर चर्चा की। इस मौके पर प्रदर्शनकारियों ने बताया कि झुंझुनूं शहर में वार्ड 57, 58, 59 व 60 सहित अन्य वार्डों में सफाई व्यवस्था चरमराई हुई है। कई क्षेत्रों में जल निकासी की सुविधा नहीं है और अधिकांश वार्डों में स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं। जिससे रात को अंधेरा पसरा रहता है। डीवाईएफआई के पदाधिकारियों ने नगर परिषद आयुक्त को छह सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। इनमें नियमित कचरा संग्रहण, जल निकासी की व्यवस्था सुधारना, सभी वार्डों में स्ट्रीट लाइटें चालू कराना, टूटी सड़कों की मरम्मत, बेसहारा पशुओं को नंदीशाला में भिजवाने मांग की गई है। नगर परिषद आयुक्त ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और सात दिवस के भीतर समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस कार्रवाई की जाएगी। डीवाईएफआई कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि तय समय सीमा में समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो वे उग्र आंदोलन करने से पीछे नहीं हटेंगे।

- नगर परिषद के अंदर घुसने को लेकर डीवाईएफआई के कार्यकर्ताओं की पुलिस से तकरार हुई, आयुक्त ने बाहर आकर समस्याएं सुनीं

इस मौके पर जिला महासचिव योगेश कटारिया, जुनैद कुरैशी, नगर महासचिव सोहेल बहलीवान, माकपा नेता महिपाल पूनियां, एसएफआई प्रदेश उपाध्यक्ष अनीश धायल, नौजवान सभा तहसील अध्यक्ष अजहरुद्दीन गहलोत, तहसील उपाध्यक्ष छात्रसंघ महासचिव साहिल कुरैशी, तौफिक खोखर, नौजवान एसएफआई तहसील महासचिव अमित शेखावत, साबिर हीरा, जुनैद कुरैशी, अजाज अहमद, यासिर सिलावट, समीर सिलावट, शाहिद कुरैशी, नयूम सय्यद, मुनान सय्यद, साहिर कुरैशी, असरफ, अमीन, अनस, फरियाद, मोईन, अंसारी, समीर, शाहिद, रेहान, तौफीक, शौकत, सफी, समी, विष्णु सैनी सहित सैंकड़ों महिला व पुरुष मौजूद मौजूद रहे।

ड्यूटी के दौरान कॉन्स्टेबल फिसलकर गिरा, मौत

बीकानेर, (निसं)। यहां नापासर थाने में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। सुबह ड्यूटी के दौरान अचानक फिसलकर गिरने से घायल हुए कॉन्स्टेबल गंगाधर कड़वासरा (33) की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। कॉन्स्टेबल की मौत से थाने में शोक की लहर है।

- कॉन्स्टेबल की हालत गंभीर होने पर बीकानेर ट्रोमा सेंटर और फिर जयपुर रेफर किया था, जहां उनकी मौत हो गई

जानकारी के अनुसार नापासर थाने में ड्यूटी के दौरान कॉन्स्टेबल गंगाधर शौचालय के पास अचानक गिर पड़े। थानाधिकारी लक्ष्मण सुथार और साथी तुरंत उन्हें नापासर अस्पताल ले गए। हालत गंभीर होने पर उन्हें बीकानेर ट्रोमा सेंटर और फिर जयपुर रेफर किया गया, जहां सोमवार सुबह एक बजे उनका निधन हो गया। सीकर जिले की लक्ष्मणगढ़ तहसील के भावजी की ढाणी निवासी गंगाधर पिछले तीन वर्ष से नापासर थाने में तैनात थे। परिवार के साथ नापासर में रहने वाले गंगाधर को इसी 26 जनवरी को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया था। थानाधिकारी के अनुसार वे बेहद जिम्मेदार और संवेदनशील सिपाही थे। गंगाधर के पार्थिव शरीर को जयपुर से उनके पैतृक गांव ले जाया जाएगा, जहां साथी पुलिसकर्मी गार्ड ऑफ ऑनर देकर अंतिम विदाई देंगे। थाने के सभी जवान एक साथी के अचानक चले जाने से दुखी हैं।

बदमाश ने नकदी से भरा बैग लूटा

उदयपुर, (निसं)। शहर के नाई थाना क्षेत्र में बाइक सवार बदमाश पीड़ित का नकदी से भरा बैग लूट ले गए। वहीं दूसरी वारदात में बदमाश मारपीट कर पर्स व मोबाइल छीन ले गए।

प्रकरण के अनुसार 29 जून को पीड़ित सुरेन्द्र पुत्र श्रीलाल मीणा निवासी पाटिया पड़ूणा टीडी हाल नयाखेड़ा ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि घर से बाइक लेकर नया खेड़ा कमरे पर जा रहा था। बीच रास्ते कब्रिस्तान के समीप आए बाइक सवार तीन बदमाशों ने रोका, इसी दौरान स्कूटी सवार तीन बदमाश आए तथा मेरे साथ मारपीट कर नकदी से भरा बैग लूट ले गए। बैग में 50 हजार रूपये नकदी, एटीएम, मोबाइल था। चिल्लाने पर बचाव में मित्र नया खेड़ा निवासी नारायण के आने तक बदमाश फरार हो गए। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

मोहर्रम : दरगाह में बाबा फरीद का चिल्ला खुला

अजमेर, (कासं)। मोहर्रम यानी मिनी उर्स पर ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह स्थित हजरत बाबा फरीद का चिल्ला सोमवार अल सुबह खोला गया। चिल्ले की जियारत के लिए जायरीन की भीड़ उमड़ पड़ी। मोहर्रम के धार्मिक रस्मों में शामिल होने के लिए देश भर से जायरीन की आवक बनी हुई है। मालूम हो कि हजरत बाबा फरीद गंज ए शकर का मजार पाक पट्टन में है। बाबा फरीद ने दरगाह में मौजूद चिल्ले वाले स्थान पर इबादत की थी। इसके चलते जायरीन इसकी जियारत करते हैं।

दरगाह के खादिम प्रतिनिधि ने बताया कि मोहर्रम की चार तारीख यानी सोमवार अलसुबह 4:30 बजे हजरत बाबा फरीद गंज ए शकर का चिल्ला आम जायरीन के लिए खोल दिया गया। प्रदेश सहित देश के अन्य राज्यों से आए जायरीन ने चिल्ले की जियारत की। मोहर्रम के अवसर पर बाबा फरीद का चिल्ला 72 घंटे के लिए खोला गया है। मालूम हो कि हजरत बाबा फरीद गंज ए शकर का मजार पाक पट्टन में है। बाबा फरीद ने दरगाह में मौजूद चिल्ले वाले स्थान पर इबादत की थी। इसके लिए जायरीन इसकी जियारत करते हैं। मोहर्रम की रस्मों में शामिल होने के लिए देश भर से जायरीन का अजमेर आने का सिलसिला बना हुआ है।

दरगाह और विश्राम स्थली पर भीड़ :- मोहर्रम पर जायरीन की आवक से कायड़ विश्राम स्थली और दरगाह क्षेत्र में रौनक बनी हुई है। देश के विभिन्न राज्यों यूपी, बिहार, झारखंड, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल सहित अन्य राज्यों से आम जायरीन अजमेर पहुंच रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा दरगाह में जायरीन सुविधाओं व सुरक्षा को लेकर माकूल इंतजाम किए गए हैं।

आवेदन फॉर्म विड्रो प्रक्रिया शुरू

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से निकाली गई सीनियर टीचर (माध्यमिक शिक्षा विभाग) भर्ती-2024 में बिना योग्यता आवेदन करने वाले अभ्यर्थी आवेदन फॉर्म विड्रो कर सकेंगे। साथ ही आवेदन फॉर्म में करक्शन भी कर सकते हैं, इसके लिए सोमवार से प्रक्रिश शुरू हो गई है। आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि सीनियर टीचर भर्ती 2024 के पदों के लिए आए आवेदनों की जब जांच की तो पाया कि बीएड नहीं होने के बावजूद भी 53 हजार से ज्यादा अभ्यर्थियों ने आवेदन फॉर्म भर दिए। आयोग ने ऐसे अपात्र अभ्यर्थियों की 1673 पेज की सूची वेबसाइट पर भी अपलोड की है। सीनियर टीचर पद की भर्ती परीक्षा के लिए कुल 11 लाख 87 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। जांच में यह सामने आया है कि 53501 अभ्यर्थियों ने विभिन्न विषयों के पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता नहीं होने के बावजूद भी आवेदन भरे है।

14 वर्ष से फरार आरोपी राजमोहन मीना गिरफ्तार

20 हजार का इनामी था आरोपी

बौंली-बामनवास, (निसं)। भरतपुर रेंज पुलिस महानिरीक्षक राहुल प्रकाश के आदेशानुसार एंव सवाई माधोपुर जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के निर्देशन व मार्गदर्शन में सवाई माधोपुर सेल की सूचना पर बामनवास थाने में दर्ज प्रकरण में 14 वर्ष से फरार चल रहे 20 हजार के इनामी वांछित आरोपी राजमोहन मीना निवासी बिचली पट्टी बामनवास को सिवाना, बालोतरा से गिरफ्तार किया गया है।

प्रकरण में 26 जून को साइबर सेल सवाई माधोपुर को तकनीकी विश्लेषण एवं मुखबीर सूचना के द्वारा वांछित आरोपी की सिवाना, बालोतरा में होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना को गंभीरता से लेते हुए एसपी ममता गुप्ता ने डीएसटी टीम गंगापुर सिटी, सर्किल इंस्पेक्टर बामनवास राकेश शर्मा, सहायक पुलिस निरीक्षक वीर सिंह, हैड कांस्टेबल महेंद्र सिंह, कांस्टेबल पंकज, ओमप्रकाश एंव राजकुमार सिंह की विशेष टीम तैयार कर आरोपी की तलाश की गई। इस पर सवाई माधोपुर से सीवाना, बालोतरा की दूरी अधिक होने के कारण टीम के पहुंचने से पहले ही आरोपी के स्थान बदलते रहने के कारण थाना प्रभारी सिवाना बालोतरा को आरोपी का सटीक पता फोटो व वाहन संबंधी जानकारी साझा की गई, जिसके बाद विशेष टीम ने करवाई करते हुऐ आरोपी राजमोहन मीना को डिटेन कर गिरफ्तार कर लिया।